

Bachelor of Science (Home Science) Second Semester Old
BHS2-2 - Infant Stimulation & Toddlerhood Paper-II

P. Pages : 6

Time : Three Hours



GUG/W/18/1370

Max. Marks : 50

-
- Notes : 1. All questions are compulsory. All questions carry equal marks.
2. Draw neat labelled diagram wherever necessary.

1. Who is neonate? Write a note on reflexes & adjustment of neonate. 10

OR

What is meant by postnatal care? Write a note on importance of breast feeding with its advantages. 10

2. Define "Toddlerhood". Write in detail the physical and psychological hazards of toddlerhood. 10

OR

What is personality development? Write a note on heredity and environment as factors influencing personality. 10

3. Write in short.

- a) Height, weight and head circumference. 2½
- b) Disadvantages of bottle feeding. 2½
- c) Development of muscle control. 2½
- d) Significance of stimulation. 2½

OR

- e) Motor skill during infancy. 2½
- f) Guidance in toilet training & weaning. 2½
- g) Socialization during toddlerhood. 2½
- h) Types of stimulation. 2½

4. Write in short.

- a) Speech skills during infancy. 2½
- b) Postnatal care of mother and baby. 2½

- c) Developmental tasks during toddlerhood. 2½
- d) Development of senses. 2½

OR

- e) Sensory motor development. 2½
- f) Immunization its importance. 2½
- g) Positive emotions of toddlerhood. 2½
- h) Peer group interaction. 2½

5. Write in short.

- a) Body proportion during infancy. 2
- b) What is supplementary feeding. 2
- c) What are Hazards? 2
- d) Examples of language & motor stimulation. 2
- e) Bathing-Babys bath. 2

Bachelor of Science (Home Science) Second Semester Old
BHS2-2 - Infant Stimulation & Toddlerhood Paper-II

Time : Three Hours

Max. Marks : 50

- सूचना :- 1. सर्व प्रश्न आवश्यक असुन सर्वांना समान गुण आहेत.
2. जिथे आवश्यक असेल तिथे आकृत्या काढा.

1. नवजात शिशु म्हणजे कोण? नवजात शिशुच्या प्रतिक्षिप्त क्रिया आणि समायोजना विषयी लिहा. 10

किंवा

प्रसवकाळ नंतरची काळजी म्हणजे काय? बाळाला स्तनपानाची गरज व त्याचे फायदे लिहा. 10

2. शैशवावस्थेची व्याख्या लिहा. शैशवावस्थेतील शारीरिक आणि मानसिक धोके स्पष्ट करा. 10

किंवा

व्यक्तिमत्व विकास म्हणजे काय? अनुवंशिकता व वातावरण या घटकांचा व्यक्तिमत्व विकासावर होणारा परिणाम स्पष्ट करा. 10

3. थोडक्यात उत्तरे लिहा.

- अ) उंची, वजन व डोक्याचा घेर 2½
ब) बाटली ने दूध पाजण्याचे तोटे 2½
क) स्नायविक नियंत्रण विकास 2½
ड) शिशु उत्तेजनाचा महत्व 2½

किंवा

- इ) शैशवावस्थेतील कारक कौशल्य 2½
फ) शिशुचे मलमुत्र विसर्जन व दूध तोडण्या संबंधी मार्गदर्शन. 2½
ग) शिशुवस्थेत समाजीकरण. 2½
ह) उत्तेजनाचे प्रकार 2½

4. थोडक्यात उत्तरे लिहा.

- अ) शैशवावस्थेतील भाषा कौशल्य 2½
ब) जन्मोत्तर काळातील आई व बाळाची काळजी 2½

क)	शिशुवस्थेतील वैकासिक कार्य	2½
ड)	ज्ञानेंद्रिय विकास	2½

किंवा

इ)	ज्ञानेंद्रिय-कारक विकास.	2½
फ)	लसीकरणाचे महत्त्व	2½
ग)	शिशु अवस्थेतील सकारात्मक भावना.	2½
ह)	समव्यस्क संबंध.	2½

5. थोडक्यात लिहा.

अ)	शिशु अवस्थेत शारीरिक बाधा.	2
ब)	पुरक आहार म्हणजे काय?	2
क)	धोके म्हणजे काय?	2
ड)	भाषा व कारक उत्तेजनाचे उदाहरण स्वरूप स्पष्टीकरण.	2
इ)	बाळाची आंघोळ.	2

Bachelor of Science (Home Science) Second Semester Old
BHS2-2 - Infant Stimulation & Toddlerhood Paper-II

Time : Three Hours

Max. Marks : 50

- सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों को समान अंक है।
2. सही जगह पर आकृति बनाएँ।

1. नवजात बालक याने कौन? नवजात शिशु की प्रतिक्रिया एवं समायोजन के विषय में लिखे। 10

अथवा

प्रसवकाल के बाद की देखरेख याने क्या? बालक को स्तनपान की आवश्यकता एवं उसके फायदे स्पष्ट करें। 10

2. "शैशवावस्था को" परिभाषित किजिये। शिशुवस्था के शारीरिक एवं मानसिक बाधाओं का सविस्तार वर्णन किजिए। 10

अथवा

व्यक्तित्व विकास याने क्या? अनुवंशिकता एवं वातावरण का व्यक्तित्व विकास पर होनेवाला परिणाम स्पष्ट किजिए। 10

3. संक्षेप में लिखिए।

अ) ऊँचाई, वजन और सर का घेरा 2½

ब) बाटल से दुध पिलाने से उत्पन्न नुकसान 2½

क) स्नायविक नियंत्रण विकास 2½

ड) शिशु उत्तेजना का महत्व 2½

अथवा

इ) शैशवावस्था में कारक कौशल्य 2½

फ) शिशु के मलमूत्र विसर्जन तथा दुध छुड़ाने संबंधी मार्गदर्शन 2½

ग) शिशुअवस्था में सामाजिकरण 2½

ह) उत्तेजनाओं के प्रकार 2½

4. संक्षेप में लिखिये।

अ) शैशवावस्था में भाषा कौशल्य। 2½

ब) जन्मपश्चात माता एवं शिशु की देखभाल। 2½

- | | | |
|----|------------------------------|----|
| क) | शिशुअवस्था के वैकासिक कार्य। | 2½ |
| ड) | ज्ञानेंद्रियो का विकास | 2½ |

अथवा

- | | | |
|----|---------------------------------|----|
| इ) | ज्ञानेंद्रिय-कारक विकास | 2½ |
| फ) | टीकाकरण का महत्व | 2½ |
| ग) | बालक अवस्था में सकारात्मक संवेग | 2½ |
| ह) | साथी समूह संबंध | 2½ |

5. संक्षेप मे लिखिए।

- | | | |
|------|---|---|
| अ) | शैशवावस्था मे शारीरिक बाधा | 2 |
| ब) | पुरक आहार याने क्या? | 2 |
| 1.क) | बाधा याने क्या? | 2 |
| ड) | भाषा और कारक उत्तेजना के उदाहरण स्वरूप स्पष्टकीरण | 2 |
| इ) | बालक का स्नान | 2 |
